आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या— SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 20 लखनऊ, शुकवार 28 अगस्त से 06 सितम्बर, 2020 तक पृष्ठ—8 मूल्य : एक रूपया

लखनऊ विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, मुख्तार अंसारी के बेटों की दो इमारतें ध्वस्त

लखनऊ। पूर्वांचल के मफिया और मऊ से विधायक मुख्तार अंसारी पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गुरूवार को बड़ी कार्रवाई की है। लखनऊ के डालीबाग में बने मुख्तार अंसारी की दो इमारतों को प्राधिकरण के आदेश पर ढहा दिया गया है। इसके लिए एलडीए और पुलिस प्रशासन समेत २५० से अधिक पुलिसकर्मी और २० से अधिक जेसीबी लगी रहीं। मौके पर मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास व उमर अंसारी के टावर पर झड़प भी हो गई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें खदेड़ कर भगाया। सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया, "यह दोनों बिल्डिंग पहले मुख्तार की मां के नाम थीं। गलत तरीके से रजिस्ट्री कराई गई थी। मूलतः यह निष्क्रांत संपत्ति यानी १६५६ से पहले पाकिस्तान गए लोगों की है। इसमें बार—बार चेतावनी देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर इसे तोड़ने की कार्रवाई की गई है। प्रशासन बिल्डिंग के तोड़ने का खर्चा, अब तक का किराया भी वसूलेगी।

इस निर्माण के लिए जिम्मेदार रहे तत्कालीन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। विधायक मुख्तार अंसारी के अवैध कब्जे को खाली कराने के लिए गुरुवार सुबह ७ बजे टीम डालीबाग पहुंच गई। इस दौरान २० से ज्यादा जेसीबी मशीनों को भवन को गिराने में लगाया गया है। सबसे पहले टीम ने दो टावर के मेन गेट का ताला तोड़कर उसको जमींदोज किया और वहां बने निर्माण से सामान निकाल कर पुलिस ने कार्रवाई की है। बताया जा रहा टावर के मकान में कोई रह नहीं रहा था। लेकिन कुछ सामान रखा था, जिसे टीम ने उठाकर घर के बाहर फेंक दिया। टावर किसका है? किसने बनवाया था? यह जानकारी अभी नहीं दी गई है। एलडीए संयुक्त सचिव ऋतु सुहास ने ११ अगस्त को ध्वस्तीकरण आदेश जारी किया था। यूपी पुलिस का शिकंजा मुख्तार गैंग पर कसता जा रहा है। पूर्वांचल से लखनऊ तक मुख्तार से जुड़े लोगों पर पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है।

योगी ने छात्रा की रेप के बाद हत्या के आरोपी पर रासुका के तहत कार्रवाई करने के दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी जिले में छात्रा की दुराचार के बाद हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए अपराधियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये हैं। योगी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पांच लाख रूपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की और कहा कि सरकार मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करा कर अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलाएगी। इस बीच लखनऊ परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक लक्ष्मी सिंह ने आज लखीमपुर खीरी पहुंच कर मामले की पड़ताल की।गौरतलब है कि पिछले मंगलवार को नीमगांव क्षेत्र

में पुलिस को एक लापता छात्रा का शव उसके घर के पास तालाब के किनारे मिला था। इस मामले में दिलशाद नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि लव जेहाद में नाकाम रहने पर उसने छात्रा के साथ बलात्कार कर हत्या कर दी थी।

जान के बदले एग्जाम, नहीं चलेगा अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जेईई—नीट प्रवेश परीक्षा के आयोजन को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जान के बदले एग्जाम, नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच, जेईई और नीट परीक्षाओं को न कराने को लेकर छात्रों व अभिभावकों के समर्थन में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्र लिखा है। यादव ने कहा है कि जान के बदले एग्जाम, नहीं चलेगा नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि अगर परीक्षा कराई जाती है तो छात्रों के आने जाने, रहने और खाने पीने की व्यवस्था कराई जानी चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर कैबिनेट मंत्री, सांसद व विधायक तैनात करें क्योंकि वहां तो कोई भी नियम—कानून नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से यह तर्कहीन व हास्यास्पद बात फैलाई जा रही है कि जब लोग

दूसरे कामों के लिए घरों से निकल रहे हैं तो परीक्षा क्यों नहीं दे सकते। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सत्ता के मद में यह भूल गई कि लोग मजबूरी में ही घर से बाहर निकल रहे हैं। परीक्षा कराकर आप युवाओं को घरों से निकलने को मजबूर कर रहे हैं। कोरोना व बाढ़ में जब बस व ट्रेन बाधित हैं तो बच्चे दूर—दूर से कैसे आएंगे। अखिलेश यादव ने पत्र में लिखा, ऐसा लगता है कि भाजपा यह समझ चुकी है कि बेरोजगारी से जूझ रहा युवा तथा कोरोना व बाढ़ से पीड़ित गरीब, निम्न व मध्य वर्ग अब कभी उसे वोट नहीं देगा। इसी कारण वह देश के युवा व अभिभावकों के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई कर रही है। हमको तो लगता है कि भाजपा को सिर्फ वोट देने वालों से मतलब है। नकारात्मक, हठधर्मी व बदले की राजनीति करने वाली भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के खिलाफ देश में एक नई युवा क्रांति जन्म ले रही है। ज्ञात हो कि इससे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के साथ ही दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कोरोना संकट में परीक्षा के आयोजन पर विरोध किया।

युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ। बथंरा थाना द्वारा बताया गया कि राम कुमार पुत्र गांधारी जो कि निवासी ग्राम हाजीपुर मजरा रहीमनगर पड़ियाना थाना ने थाना बंथरा पर सूचना दिया। बंथरा में एक युवक ने लगाई फांसी। युवक के चाचा जब सुबह सोकर उठे तो उन्होंने देखा कि उनका भतीजा मंगलू लेखई ने घर के बरामदे में बने बीम में चादर का फंदा बनाकर फांसी लगा ली । जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया । शव को कब्जे में लेने के बाद पुलिस वालो ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । व्यक्ति के पास से कोई सोसाइड नोट नहीं मिला । इस सूचना पर एसइआई शिव नारायण सिंह के दौरा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है । जिनके दौरा बताया गया कि व्यक्ति को कुष्ठ रोग था

नीट और जेईई परीक्षा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

लखनऊ। नीट और जेईई परीक्षा के विरोध में गुरूवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में राजभवन के बाहर प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ता कोरोना के मद्देनजर प्रतियोगी परीक्षा नहीं कराये जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से उनकी नोकझोंक हुयी, बाद में उन्हे तितर बितर करने के लिये पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष जेईई और नीट की परीक्षा के सरकार के फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ सकते है जिसका सीधा असर उनके परिवार और घर के बुजुर्गो पर होगा।

युवती के संग कई वर्षो से शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने वाला आरोपी भेजा गया जेल

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में एक युवती के संग कई वर्षों से शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी को स्थानीय थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में कार्यवाही कर जेल भेज दिया है।आशियाना थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह एसएसआई पतिराम यादव ने अपने टीम संग किला चौराहे से यौन उत्पीड़न के आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी थाना क्षेत्र में एक युवती को किराए के मकान में रखकर लगभग छः वर्षों से शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करता था युवती ने जब शादी का दबाव बनाया तो वह उसे प्रताड़ित करने लगा। युवती ने एक दिन पूर्व आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत की थी जिसमे मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस की गिरफ्त में आये आरोपी युवक ने अपना परिचय सुधांशु सोनकर उर्फ

अभिषेक पुत्र दूधनाथ निवासी एमआईजी—१२ कौशलेशकुंज कलोनी थाना आरजेबी जनपद अयोध्या के रूप में दिया है। गिरफ्तार आरोपी को दुष्कर्म की धाराओं में जेल भेज दिया गया है।

सम्पादकीय

कोरोना वायरस के बीच कैसे देंगे छात्र नीट-जेईइ संयुक्त प्रवेश परीक्षा

कोरोना वायरस का कहर बरपा हुआ है। नतीजतन, स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। लेकिन इस बीच राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)– संयुक्त प्रवेश परीक्षा २०२० (जेईई) होनी तय हुई है। नीट की परीक्षा मेडिकल कलेजों में दाखिला के लिए होती है, जो कि १३ सितंबर को निर्धारित है। इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला के लिए जेईई मुख्य परीक्षा एक से ६ सितंबर और जेईई एडवांस्ड परीक्षा २७ सितंबर को निर्धारित हुई है। छात्र इसे स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। उनका सवाल है कि कोरोना वायरस के बीच में वे परीक्षा केंद्र तक कैसे जाएंगे। कुछ इलाकों में बाढ़ की भी स्थिति है और वहां के छात्रों का कहना है कि बाढ़ और बिजली कटौती के बीच परीक्षा के लिए बैठना मुश्किल भरा काम है। कुछ छात्र बाढ़ के साथ–साथ कोरोना वायरस का भी खतरा जता रहे हैं। इसीलिए पिछले रविवार को हजारों छात्रों ने दिनभर की भूख हड़ताल रखी और सोशल मीडिया पर परीक्षा को टालने के लिए अनेक तरह के हैश टैग चलाए। छात्रों ने अपनी बातों को सरकार के कान तक पहुंचाने के लिए मौजूदा हालात के फोटो भी डाले। कुछ छात्रों का कहना है कि परीक्षा केंद्र उनके घर से १५० किलोमीटर दूर है। केंद्र तक पहुंचने के लिए बस और ट्रेन सेवा भी नहीं चल रही है। ऐसे में छात्र परीक्षा केंद्र तक वे कैसे पहुंचेंगे? कुछ राज्यों के छात्रों के परीक्षा केंद्र गृह नगर से दूर अन्य शहर में हैं और वे पूछ रहे हैं कि होटल और गेस्ट हाउस बंद होने की सूरत में वे कहां ठहरेंगे। साथ ही अभिभावक भी अपने बच्चों की सेहत को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि परीक्षा केंद्रों में सैकड़ों की संख्या में छात्र जुटेंगे। आशंका है कि वहां सोशल डिस्टैंसिंग के नियमों की अनदेखी हो सकती है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल परीक्षा को टालने की मांग कर चुके हैं। भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी तो परीक्षा को टालने की दलील लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चले गए। हालांकि उन्हें राहत नहीं मिली। १७ अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रवेश परीक्षाएं–जेईई (मुख्य) और नीट को पहले से तय तारीखों पर कराने को लेकर रास्ता साफ कर दिया था। कोर्ट ने कहा था छात्रों के एक कीमती साल को यूं ही बर्बाद नहीं होने दिया जा सकता। मगर सवाल यह है कि क्या जो छात्र चाहते हैं उसका कोई महत्त्व नहीं है?

सकुशल पुलिस ने छात्रा को किया बरामद

लखनऊ। निगोहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मस्तीपुर गांव से बीती २५ अगस्त कि सुबह निगोहा कस्बा स्थित इंटर कलेज में अपनी मार्कशीट लेने जाने की बात कह कर घर से निकली नाबालिग छात्रा को पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर लिया। जिसकी जानकारी छात्रा की मां ने संबंधित थाने में दिया था।थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि छात्रा की मां की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें क्षेत्राधिकारी द्वारा तत्काल टीमें गठित कर , सर्विलांस की मदद से बुधवार की शाम नगराम मोड़ से सकुशल बरामद किया गया।

रेलवे लाइन ट्रैक पर मिला युवक का शव

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत पुरसेनी रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का मिला शव प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज के मऊ गाँव के रहने वाले हाजी मोहम्मद यासीम के पुत्र आकिब उर्फ रिंकू कल शाम ७ बजे से घर से निकला था रात में घर वापस ना आने तथा घरवालो ने खोजबीन की फिर भी कोई जानकारी न मिली सुबह सोशल मीडिया द्वारा वायरल होने पर परिवार जन मौके पर पहुंचे और शव की अपने पुत्र के रूप में शिनाख्त की मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

अयोध्या का ढांचा ध्वंस मामला : बचाव पक्ष २४ घंटे में जमा करे लिखित बहस : कोर्ट

लखनऊ। अयोध्या के ढांचा ध्वंस मामले में विशेष अदालत में आज (बुधवार) को विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार यादव ने बचाव पक्ष को अंतिम अवसर देते हुए २७अगस्त को लिखित बहस हर हालत में दाखिल करने का आदेश दिया है। वहीं अदालत से बचाव पक्ष के एक आरोपित धर्मदास के अधिवक्ता एसके शर्मा व केके मिश्र ने अर्जी देकर लिखित बहस दाखिल करने के लिए ३१ अगस्त तक का समय मांगा। बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि इस मामले में ३२ आरोपित है और लिखित बहस तैयार करने में समय लग रहा है। इसके लिए ३१ अगस्त तक का समय प्रदान किया जाए। अदालत ने बचाव पक्ष की मांग अस्वीकार करते हुए कहा कि बचाव पक्ष को २१ अगस्त, २४ अगस्त और २६ अगस्त को लिखित बहस दाखिल करने के लिए समय दिया

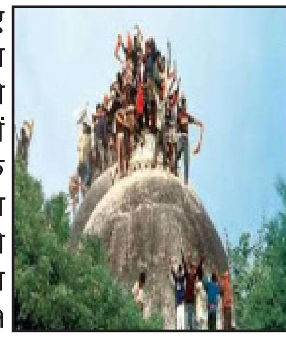

गया, किन्तु बचाव पक्ष ने लिखित बहस दाखिल नहीं की। अदालत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने आगामी ३० सितंबर २०२० तक मामले में निर्णय देने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि उक्त मामले में ३५१ गवाह और छह सौ से अधिक प्रदर्श व वस्तु प्रदर्श की संख्या है। जिनका पूर्व अवलोकन करने के बाद निर्णय लिखने में काफी समय लगेगा। इसके बावजूद बचाव पक्ष द्वारा समय की और मांग उच्चतम न्यायालय के आदेश के परिपालन में उचित नहीं है । अदालत ने बचाव पक्ष को लिखित बहस दाखिल करने के लिए २७ अगस्त की तिथि नियत की है ।अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललित कुमार सिंह, आर के यादव और पूर्णेंदु चक्रवर्ती मौजूद थे। बचाव पक्ष की ओर से एसके शर्मा, केके मिश्रा, अभिषेक रंजन, विवेक श्रीवास्तव, मनीष त्रिपाठी, प्रशान्त सिंह उपस्थित थे।

विदेश से हवाई यात्रा कर लौटे लोग अब हो सकेंगे सीधे घर में होम क्वारंटाइन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विदेश से हवाई यात्रा कर आ रहे लोगों के लिए नया प्रोटोकॉल जारी कर दिया गया। अब विदेश से हवाई यात्रा कर प्रदेश में आ रहे लोगों को सात दिन इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाइन यानी होटल व हस्टल इत्यादि में नहीं रहना होगा। वह सीधे अपने घर पर जाकर क्वारंटाइन होंगे। यानि पूरे १४ दिन की क्वारंटाइन की अवधि अपने घर में ही बिता सकेंगे। पहले सात दिन इंस्टीट्यूशनल क्वारंटाइन व सात दिन होम क्वारंटाइन होना होता था। अब कुछ शर्तों के साथ होम क्वारंटाइन की सुविधा दे दी गई है। नए प्रोटोकाल के तहत अब हवाई यात्रा कर आ रहे ऐसे लोग जिनके परिजन की मृत्यु हुई है या परिवार में कोई गंभीर रूप से बीमार हैं। यही विदेश से लौटी गर्भवती

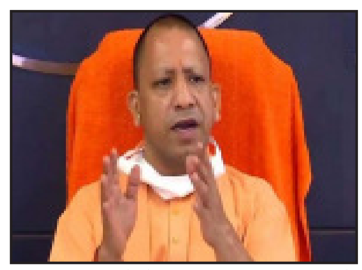

महिला या ऐसे अभिभावक जिनके घर में दस साल तक के बच्चे हैं, वह सीधे घर में होम क्वारंटाइन हो सकेंगे। वहीं इनके अलावा ऐसे लोग जिनके परिवार में कोई कैजुअल्टी नहीं हुई है या कोई बीमार नहीं है तो वह हवाई यात्रा से ६६ घंटे पहले करवाई गई कोरोना जांच की रिपोर्ट लेकर आएंगे और यह रिपोर्ट निगेटिव होनी चाहिए। ऐसे लोगों को भी होम क्वारंटाइन की सुविधा दी जाएगी। सरकारी व व्यावसायिक कार्य से दूसरे प्रदेश गए तो भी छूट : उत्तर प्रदेश में रहने वाले ऐसे लोग जो सरकारी व व्यावसायिक कार्य से दूसरे प्रदेश जा रहे हैं और पांच दिन के अंदर ही वापस आ जाते हैं, तो उन्हें होम क्वारंटाइन नहीं होना होगा। सिर्फ वह लोग जिनकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आएगी और वह कोरोना के लक्षण वाले रोगी हैं तो उन्हें अस्पताल में भर्ती किया जाएगा।

झांसे में लेकर करोड़ों रुपये हड़पने वाले गिरोह का एसटीएफ ने किया राजफाश

लखनऊ। सेवानिवृत्त अधिकारियों को झांसे में लेकर करोड़ों रुपये हड़पने वाले गिरोह का एसटीएफ ने राजफाश किया है। एसटीएफ ने बुध् ावार को गिरोह के छह लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आरोपित बीमा में बोनस दिलाने, कम समय में रुपये डबल कराने और निवेश का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। हाल में ही पुलिस ने गिरोह के एक अन्य आरोपित को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा था। एसटीएफ के मुताबिक गिरोह ने सेवानिवृत्त अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवा डॉक्टर सीबी चौरसिया से ४० लाख तथा सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक रंजीत सिंह बोरा से चार लाख १४ हजार रुपये हड़प लिए थे। आरोपितों ने दोनों को बीमा में बोनस देने, जीवन भर हेल्थ इंश्योरेंस दिलाने और फर्जी कंपनियों में निवेश कर रुपये दोगुना कराने का झांसा दिया था। डॉक्टर सीपी चौरसिया ने गाजीपुर थाना और रंजीत सिंह ने विकास नगर थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी। छानबीन के दौरान एसटीएफ ने मीना बाजार इंदिरा नगर से आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।आरोपितों में मूल रूप से भीटी चौबेपुर कानपुर निवासी अभिनव सक्सेना, गोमती नगर विस्तार निवासी वेद प्रकाश द्विवेदी, फतेहपुर बाराबंकी निवासी मोहम्मद अरमान, लिबर्टी कलोनी सर्वोदय नगर इंदिरा नगर निवासी नेहा सक्सेना, चौबेपुर कानपुर निवासी प्रिया सक्सेना और गंगा सागर अपार्टमेंट नरही हजरतगंज निवासी मीनाक्षी भारती शामिल हैं।आरोपितों के पास से ११ मोबाइल फोन, एक एटीएम कार्ड, तीन चेक बुक, तीन पासबुक, चार आधार कार्ड, पैन कार्ड, रजिस्टर व एक कार बरामद की गई है।पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने कई फर्जी कंपनियां बना रखी थी, जिसके बैंक खातों में रुपये जमा कराते थे। एसटीएफ के मुताबिक एलायंज ग्रीन सिटी, आरआइएल डेवलपर्स, एमडीआइ, ई–कॉमर्स, मैक्स लाइफ म्युचुअल फाउंडेशन, गोल्डन आर्किड और वेट फोलियो सर्विस के नाम से गिरोह ने फर्जी कंपनियां बनाई थी। पूछताछ में गिरफ्तार किए गए अभिनव सक्सेना ने बताया कि गिरोह में शामिल सभी लोगों को अलग–अलग काम दिए गए थे। वेद प्रकाश फर्जी नाम पते पर कंपनी रजिस्टर कराता था और इन कंपनियों के नाम पर अलग–अलग बैंकों में खाता भी खुलवाता था।

टेंडर के 'खेल' में शामिल सचिवालय का गार्ड गिरफ्तार

लखनऊ। पशुपालन विभाग में टेंडर दिलाने के नाम पर इंदौर के व्यापारी से करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में मंगलवार को हजरतगंज पुलिस ने सचिवालय के एक सुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपित गिरोह का सक्रिय सदस्य था और लोगों को सचिवालय के भीतर प्रवेश कराने का काम करता था।पुलिस के मुताबिक मलिहाबाद के सरौना गांव निवासी होमगार्ड रघुवीर प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपित ने बताया है कि वह मुख्य आरोपित आशीष राय के जाल में फंसे व्यापारियों को सचिवालय के भीतर प्रवेश कराने का काम करता था। गेट पर आरोपित की ड्यूटी रहती थी, जिसके कारण उसे किसी की एंट्री कराने में कोई समस्या नहीं होती थी। इसके एवज में आरोपित को मोटी रकम भी मिलती थी। छानबीन में पुलिस को आरोपित के खिलाफ अहम साक्ष्य भी मिले हैं। पशुपालन विभाग के बाद खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में टेंडर दिलाने के नाम पर भी गिरोह ने करोड़ों की ठगी की थी। अब इस मामले में पुलिस जेल में बंद आरोपितों को रिमांड पर लेगी। पुलिस की ओर से न्यायालय में इस बाबत प्रार्थना पत्र दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपित आशीष राय की एक दिन बाद न्यायालय में पेशी है। पुलिस उसी दिन आरोपित को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी में है। रिमांड पर आशीष से गिरोह के अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी। बताया जा रहा है कि पूछताछ में कई बड़े लोगों के नाम भी उजागर हो सकते हैं। गौरतलब है कि सोमवार को मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग में टेंडर दिलाने का नाम पर ठगी के मामले में संलिप्त पाए जाने पर दो आइपीएस को निलंबित करने के निर्देश दिए थे। आइपीएस दिनेश चंद्र व अरविंद सेन के निलंबन के बाद महकमे में खलबली मची हुई है।

कबीर मठ के प्रशासनिक अधिकारी की ट्रामा सेंटर में मौत

लखनऊ। कबीर मठ के प्रशासनिक अधिकारी धीरेंद्र दास (५०) की बुधवार को मौत हो गई। २४ अगस्त को हसनगंज क्षेत्र के डालीगंज में करीब दस बजे कबीर मठ के प्रशासनिक अधिकारी धीरेंद्र दास

को कुछ लोगों ने गोली मार दी थी। घायल अवस्था में उन्हें केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। बुधवार दोपहर उनकी मौत हो गई। गोली मारने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से पूछताछ में पता चला है कि एक युवक ने धीरेंद्र दास की शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर साथियों के साथ उन पर हमला किया था। एडीसीपी उत्तरी राजेश कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, धीरेंद्र दास पर हमले के आरोप में आलोक वर्मा व उसके साथी सुधीर पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की टीम तीन अन्य आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपित कार से मठ के बाहर पहुंचे थे। इस दौरान आलोक अपने साथी सुधीर व एक अन्य के साथ मठ के भीतर दाखिल हुआ था। इस दौरान आरोपितो ने धीरेंद्र दास से मुलाकात की और फिर जान से मारने की नियत से उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले के बाद तीनों आरोपित बाहर की तरफ भागे और कार में इंतजार कर रहे अपने दो अन्य साथियों के साथ मौके से फरार हो गए। डीसीपी उत्तरी शालिनी ने बताया कि मूल रूप से हरदोई व सीतापुर निवासी आरोपित यहां फैजुल्लागंज में रहते थे। आलोक करीब आठ साल तक धीरेंद्र दास के साथ मठ में रहा था। चार साल पहले धीरेंद्र दास ने आलोक को किसी बात पर मठ से निकाल दिया था। पूछताछ में आरोपित ने धीरेंद्र दास पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसकी पुलिस जांच कर रही है।आरोपित लंबे समय से बदला लेने की साजिश रच रहा था। इसी क्रम में उसने अपने चार अन्य साथियों के साथ धीरेंद्र दास की हत्या का प्लान बनाया। साजिश के तहत अपने परिचित हरदोई निवासी युवक की कार का इस्तेमाल किया, जो मठ के बाहर एक अन्य साथी के साथ तीनों आरोपितों का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कार व तमंचा बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सीसी फुटेज में सभी आरोपित कैद हैं। फुटेज के जरिए ही कार बरामद कर दोनों आरोपितो को पकड़ा गया। तीन अन्य आरोपितो के पकड़े जाने के बाद पूरा मामला स्पष्ट हो जाएगा।

पुलिस और अपराधियों के गठजोड़ में छोटों से लेकर बड़ों तक की भूमिका

लखनऊ। कानपुर में सीओ समेत आठ पुलिसकर्मियों की हत्या की वारदात के बाद पुलिस व अपराधी विकास दुबे के बीच जो गठजोड़ सामने आया था, उसमें अभी कुछ और नाम सामने आने बाकी हैं। प्रकरण में दो उपनिरीक्षक जेल जा चुके हैं और विशेष जांच दल (एसआईटी) की निगाह कई पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की भूमिका पर है। ऐसे में सोमवार को जालसाजों से संलिप्तता में डीआईजी अरविंद सेन व डीआईजी दिनेश चंद्र दुबे के निलंबन के बाद महकमे की छवि पर और बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस और अपराधियों के गठजोड़ में छोटों से लेकर बड़ों तक की भूमिका उजागर हो रही है। यूपी पुलिस के पन्ने पलटें तो यहां दागियों की कमी नहीं। राजनीतिक रसूख से लेकर निजी फायदे तक के लिए पुलिस अधिकारी व कर्मी अपने दामन को दागदार करते रहे हैं। एक के बाद एक कड़ी कार्रवाई भी उनके लिए सबक नहीं बन सकी। अपने तबादले के बावजूद दूसरों का स्थानांतरण करने के खेल में बीते दिनों एक आईपीएस अधिकारी के हाथ झुलस चुके हैं। करीब डेढ़ साल पूर्व बाराबंकी में एक ट्रेडिंग कंपनी संचालकों से ६५ लाख रुपये वसूली के मामले ने भी खूब तूल पकड़ा था। तब मामला डीजीपी मुख्यालय तक पहुंचा था और आरोपित उपनिरीक्षक अनूप यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज गया था। आरोपों से तत्कालीन एसपी बाराबंकी भी घिरे थे और उन्हें निलंबित किया गया था। हालांकि बाद में वह बहाल हो गए थे।करीब एक साल पहले गौतमबुद्धनगर के तत्कालीन एसएसपी वैभव ष्ण के साथी पांच आइपीएस अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के संगीन आरोपों का मामला भी महकमे की खूब किरकिरी करा चुका है। उन्नाव दुष्कर्म कांड में पुलिस जिस तरह आरोपित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मददगार बनी थी, उसकी परतें भी सीबीआइ जांच में खुल चुकी हैं।सोशल मीडिया पर बीते दिनों झांसी के थाना मऊरानीपुर के तत्कालीन इंस्पेक्टर सुनीत कुमार सिंह का एक अडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह वांछित अपराधी लेखराज यादव से बातचीत कर रहे थे। इंस्पेक्टर की वांछित से एनकाउंटर को लेकर डील चल रही थी। पुलिस–अपराधी गठजोड़ के इस मामले ने काफी तूल पकड़ा था। बाद में इंस्पेक्टर सुनीत को बर्खास्त कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर नोएडा पुलिस की वसूली का रेटचार्ट तथा वसूली को ही लेकर बाराबंकी के एक सिपाही का वीडियो भी वायरल हुआ था।पशुपालन विभाग के बाद खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में टेंडर दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी के मामले में पुलिस जेल में बंद आरोपितों को रिमांड पर लेगी। पुलिस की ओर से न्यायालय में इस बाबत प्रार्थना पत्र दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपित आशीष राय दो दिन बाद न्यायालय में पेश होगा, जिसे पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। इसके बाद उससे गिरोह के अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

दुकानदार से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीना

लखनऊ। तालकटोरा में मंगलवार रात दुकान बंद कर घर जा रहे दुकानदार से बाइक सवार

बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया। दुकानदार के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने दौड़ कर एक बदमाश को पकड़ लिया और पुलिस को सौंपा दिया। वहीं एक बदमाश भाग निकला था। सआदतगंज के हसनगंज बावली निवासी मोहम्मद मुमताज की राजाजीपुरम ई ब्लक मार्केट में चाय की दुकान है। मंगलवार रात में मोहम्मद मुमताज दुकान बंद कर मोबाइल फोन पर बात करते हुए साइकिल से घर जा रहे थे। इसी बीच न्यू टेम्पो स्टैंड के पास बाइक सवार बदमाशों ने मुमताज का मोबाइल फोन छीन लिया। मुमताज के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पीडित ने तालकटोरा थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पत्नी की मौत के मामले में टेनिस कोच गिरफ्तार

लखनऊ। पीजीआइ थाना पुलिस ने साउथ सिटी निवासी टेनिस कोच राजकुमार को बुधवार शाम पत्नी की हत्या के आरोप में पकड़ कर पूछताछ कर रही है। स्टेट व नेशनल लेवल पर खेच चुके राजकुमार आजकल बच्चों को टेनिस खेलने की ट्रेनिंग देकर घर चला रहे थे। उनकी पत्नी माया (३०) की रविवार संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। उनके सिर व चेहरे पर चोट के निशान थे। पत्नी माया के भाई रामधनी ने राजकुमार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और मांग पूरी न होने पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। पीजीआइ इंस्पेक्टर केके मिश्र ने बताया कि राजकुमार टेनिस की बच्चों को ट्रेनिंग देता था। उसकी पत्नी के भाई धनीराम का आरोप है कि घटना के रात उन्होंने माया के घायल होने की सूचना दी, लेकिन

जब वह लोग पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। धनीराम के घटना के विषय में पूछने पर वह मौके से भाग निकला। आरोपित राजकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। टेनिस कोच गोपाल सिंह ने राजकुमार के टेनिस कोच होने की पुष्टि करते हुए कहा कि राजकुमार स्टेट व नेशनल लेवल पर टेनिस खेल चुके हैं। आजकल साउथ सिटी में बच्चों को टेनिस की कोचिंग दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मुहर्रम जुलूस निकालने की इजाजत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कोविड–१६ महामारी को देखते हुए पूरे देश में मुहर्रम जुलूस निकालने की इजाजत देने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश एस. ए. बोबडे और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और वी. रामासुब्रमनियन की पीठ ने कहा, "सामान्य दिशा–निर्देश की अनुमति नहीं दे सकते, मामला पुरी या जैन मंदिर से अलग है, क्योंकि उनके 'एरिया अफ ऐक्सेस' की पहचान थी।" पीठ ने कहा, "सामान्य आदेश पारित करना संभव नहीं है। इससे अफरा–तफरी की स्थिति पैदा होगी और एक निश्चित समुदाय को वायरस फैलाने के लिए निशाना बनाया जा सकता है।" याचिकाकर्ता ने पुरी में रथयात्रा पर शीर्ष अदालत के आदेशों का हवाला दिया। पीठ ने जिसपर कहा कि पुरी मामले में एक निश्चित जगह थी, जहां रथ को एक खास जगह से दूसरी तय जगह जाना था। पीठ ने कहा, "अगर यह कोई खास जगह होती, हम खतरे का आकलन कर सकते थे और आदेश पारित कर सकते थे।" याचिकाकर्ता ने फिर मुंबई में कुछ जैन मंदिरों में पूजा करने की इजाजत देने के शीर्ष अदालत के फैसले का हवाला दिया। पीठ ने जिसपर कहा कि वह मामला प्रार्थना तक सीमित था। अदालत

ने इसके साथ ही याचिकाकर्ता को लखनऊ में जुलूस निकालने की इजाजत नहीं दी। इसपर याचिकाकर्ता ने कहा कि शिया लखनऊ में जमा हो गए हैं और वहां अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इलाहबाद उच्च न्यायालय का रूख करने को कहा। २५ अगस्त को, सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी के बीच सीमित तरीके से मुहर्रम जुलूस निकालने की इजाजत वाली एक याचिका पर सुनवाई की थी। प्रधान न्यायाधीश एस. ए. बोबडे, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और वी. रामासुब्रमनियन की पीठ ने याचिकाकर्ता सिप्ते मोहम्मद को चार सप्ताह के अंदर सभी २८ राज्यों को एक पार्टी बनाने की इजाजत दी थी। याचिकाकर्ता ने शिया मुस्लिम समुदाय की ओर से मातम जुलूस आयोजित करने की इजाजत देने के निर्देश के लिए शीर्ष अदालत का रूख किया था। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता ने मामले में सभी राज्य सरकारों को पार्टी नहीं बनाया है। राज्य सरकारों को केंद्र के दिशानिर्देश के अंतर्गत आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू करने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने पाया कि मामले में किसी भी प्रकार के आदेश देने से पहले राज्य सरकारों को सुने जाने की जरूरत है। पीठ ने कहा कि जुलूस कई राज्यों में निकलेंगे और उन्हें सुने बिना वह आदेश पारित नहीं कर सकते।

उत्तर प्रदेश के सभी परिषदीय विद्यालयों में टैबलेट दिए जाएंगे

लखनऊ। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सरकार अब डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने जा रही है। इसके लिए उत्तर प्रदेश के सभी परिषदीय विद्यालयों में टैबलेट दिए जाएंगे। बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सतीश द्विवेदी ने बताया कि डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए सभी स्कूलों में टैबलेट की व्यवस्था की जाएगी, इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। जिससे वे विद्यार्थियों को रोचक ढंग से पढ़ा सकें व लेक्चर रिकॉर्ड कर सकें। उन्होंने कहा इसका लाभ अन्य को भी मिल सकेगा। अकैडमिक रिसोर्स पर्सन्स को भी टैबलेट दिया जाएगा। इसके लिए एक दीक्षा कंटेंट सेल भी बनाई गई है जो पाठ्य सामग्री से जुड़े रोचक वीडियो व कंटेंट बनाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष २०२०–२०२१ के लिए समग्र शिक्षा के लिए स्वींत प्रस्तावों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष ८६०६.६२ करोड़ रूपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। मंत्री ने कहा कि परिषदीय प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भवन निर्माण व विस्तार तथा फर्नीचर आदि के लिए ४८,८६१ करोड़ रूपये दिए हैं। विद्यालयों में उपकरण, शैक्षिक सामग्री, उनके रख–रखाव व स्वच्छता एक्शन प्लान के लिए ५७४ करोड़ व गुणवत्ता सुधार के लिए ३३,१६६ करोड़ रुपये की सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि छात्रों के स्कूल यूनिफार्म के लिए ६२७ करोड़, निरूशुल्क पाठ्य पुस्तकों के लिए ५३,२घ्५७ करोड़ रूपये, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में गुणवत्ता व अवस्थापना सुविधाओं के लिए १४५ करोड़ रूपये, शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए १६ करोड़, दिव्यांग बच्चों की सुविधा व उन्हें समर्थ बनाने के लिए ५७ करोड़, पुस्तकालयों के लिए १०. २४ करोड़, छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रशिक्षण के लिए २५.६५ करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं। द्विवेदी ने बताया कि विद्यालयों में साफ पीने के पानी, विद्युतीकरण, जर्जर भवनों का पुनर्निर्माण व छात्राओं की सुविधा के लिए ८वीं तक के विद्यालयों में इंसीनरेटर की भी व्यवस्था की जाएगी। परिषदीय विद्यालयों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों को भी सुधारा जाएगा। छात्र–छात्राओं को कौशल विकास के लिए भी प्रोत्साहित किये जाने का भी प्रावधान इस बार किया गया है।

नीट और जेईई परीक्षा के विरोध पर राजभवन पर प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

पत्नी को गोली मारकर ट्रांसपोर्टर ने की आत्महत्या–पत्नी गंभीर

लखनऊ। नाका पानदरीबा निवासी ट्रांसपोर्टर अनुरूप सिंह (४५) ने मंगलवार देर रात नशे में पत्नी मधू से चोट में लगाने वाले ट्यूब को लेकर हुए विवाद के बाद माथे से सटाकर गोली मार दी। उसके बाद खुद को अपनी लाइसेंसी पिस्टल से कनपटी के पास गोली मार ली। अनुरूप की मौके पर मौत हो गई। वहीं मधू को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस घटना के पीछे नशेबाजी को लेकर घरेलू कलह और धंधे में मंदी के बिंदु पर पड़ताल कर रही है।पानदरीबा स्थित घर पर अनुरूप मंगलवार रात रोज की तरह शराब के नशे में पहुंचे उसके बाद पत्नी मधू से किसी पर विवाद के बाद वह अपने कमरे में चले गए। बगल के ही कमरे में रहने वाले बेटे आर्यन के मुताबिक रात करीब दो बजे पापा ने मम्मी से कोई ब्यूब मांगा। मम्मी के कोई जवाब न देने पर विवाद शुरू हो गया। इसीबीच गोली चलने की आवाज सुनाई दी। अंदर जाकर देखा तो मम्मी और पापा दोनों लहूलुहान पड़े थे। पिस्टल पापा के हाथ में थी। इंस्पेक्टर नाका सुजीत कुमार दुबे के मुताबिक अनुरूप सिंह ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। लॉकडाउन के चलते करीब छह माह से काम ठप्प सा है। अनुरूप के शराब के लती होने से घर में आए दिन विवाद होता था। बेटे आर्यन के मुताबिक मंगलवार रात भी विवाद हुआ जिसके बाद उन्होंने पत्नी को गोली मारने के बाद खुद को गोली मार ली। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। अनुरूप शराब पीने के बाद घर में ही नहीं सड़क पर भी किसी से भी विवाद शुरू कर देते थे। इंस्पेक्टर सुजीत दुबे के मुताबिक कई बार चौकी पर भी नशे में विवाद किया। उन्हें घर पहुंचाया गया। वह घर पर कई बार विवाद के बाद पिस्टल निकाल लेते थे। घटना वाले दिन भी यही हुआ, लेकिन इस बार गोली चल गई और परिवार टूट गया।घर की मालीहालत में कोई दिक्कत नहीं थी। अनुरूप का बड़ा बेटा आदित्य कनाडा में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है। वहीं छोटा बेटा शहर के नामी स्कूल का छात्र है। वहीं भाई अरविंद सिंह ब्रिगेडियर और गिरिदीप सिंह इंडियन नेवी में अधिकारी हैं।

भाजपा ने मध्य प्रदेश के सैयद जफर इस्लाम को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के विधायकों की बड़ी संख्या का लाभ केंद्रीय नेतृत्व उठाना जानता है। समाजवादी पार्टी के निलंबित नेता अमर सिंह की मौत के बाद राज्यसभा की खाली सीट पर होने वाले उप चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश के सैयद जफर इस्लाम को उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश से स्वर्गीय मनोहर पार्रिकर, स्वर्गीय अरुण जेटली तथा केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बाद अब बाहरी सैयद जफर इस्लाम राज्यसभा में जाएंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा सदस्यों की संख्या को देखते हुए जफर की जीत तय मानी जा रही है। सैयद जफर इस्लाम भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। माना जाता है कि पार्टी प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को कांग्रेस से भाजपा में शामिल करवाने में अहम भूमिका निभाई थी। राजनीति में आने से पहले सैयद जफर इस्लाम एक विदेशी बैंक के लिए काम करते थे। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा में शामिल

होने के पहले से ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ उनका करीबी रिश्ता है।सैयद जफर इस्लाम ने सात वर्ष पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। इसके बाद वह भाजपा में एक मुखर और उदारवादी मुस्लिम चेहरा बनकर उभरे हैं। सोशल मीडिया पर भी वह काफी सक्रिय रहते हैं। सैयद जफर इस्लाम को भारतीय जनता पार्टी ने अपना राष्ट्रीय प्रवक्ता भी बनाया है। सैयद जफर इस्लाम भाजपा में शामिल होने से पहले जर्मन ड्यूश बैंक में एमडी पद पर तैनात थे। वह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में रहते थे। उन्होंने राजनीति में अपने करियर की शुरुआत के लिए भारतीय जनता पार्टी को चुना। वर्तमान में वह एयर इंडिया के निदेशक मंडल में शामिल हैं।अमर सिंह के निधन से खाली हुई सीट पर ११ सितंबर को उप–चुनाव होगा। चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा कर दी है और नोटिफिकेशन जारी हो गया है। समाजवादी पार्टी से निलंबित अमर सिंह लम्बे समय से बीमार थे। बीती एक अगस्त २०२० को सिंगापुर के अस्पताल में उनका निधन हो गया था। इस सीट पर उपचुनाव जीतने वाले का कार्यकाल नवंबर २०२२ तक रहेगा।

जेईई, नीट परीक्षा पर सस्पेंस जारी

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग और मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा पर सस्पेंस जारी है। इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए होने वाली जेईई मेन्स की परीक्षा एक से छह सितंबर के बीच होनी है और मेडिकल में दाखिले के लिए नीट की परीक्षा १३ सितंबर को होनी है। परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, एनटीए ने परीक्षा का शिड्यूल जारी कर दिया है पर इस परीक्षा का बड़े पैमाने पर विरोध होने लगा है। एक बड़ा समूह विरोध कर रहा है तो कुछ लोग परीक्षा कराए जाने का समर्थन भी कर रहे हैं। कई अकादमिक जानकारों ने इसका समर्थन करते हुए कहा है कि अगर परीक्षा अभी नहीं हुई तो यह जीरो वर्ष हो जाएगा, जिसका नुकसान लाखों छात्रों को होगा। बहरहाल, इन परीक्षाओं के विरोध में बुधवार को सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एकजुट होने का संदेश दिया तो गुरुवार को सोशल मीडिया में नीट, जेईई की परीक्षा रूकवाने का ट्विट ट्रेंड करता रहा। छात्रों और अभिभावकों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को भी निशाना बनाया। गौरतलब है कि निशंक ने बुधवार को एक इंटरव्यू में कहा था कि छात्रों का बहुमत चाहता है कि परीक्षा हो। इस पर सोशल मीडिया में छात्रों ने उनको चुनौती देते हुए कहा कि एनटीए की साइट पर वोटिंग करा ली जाए, उससे पता चल जाएगा कि कितने छात्र परीक्षा के पक्ष में हैं। असल में कोरोना संक्रमण की महामारी के चलते छात्र और अभिभावक इसका विरोध कर रहे हैं। गुरुवार को दोपहर तक सवा लाख से ज्यादा लोगों ने परीक्षा रद्द कराने के लिए ट्विट किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छात्र विरोधी बताते हुए भी छह लाख लोगों ने ट्विट किया था। सबसे ज्यादा इस बात का विरोध हो रहा था कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कैसे कहा कि स्टूडेंट्स की साइलेंट मैजोरिटी चाहती है कि परीक्षा हो। उन्होंने कहा कि बहुत से छात्र किसी कीमत पर इस साल को जीरो ईयर बनाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। दूसरी ओर शिक्षा जगत के अनेक लोग इसके समर्थन में भी उतरे हैं। देश–विदेश के विश्वविद्यालयों से जुड़े डेढ़ सौ शिक्षकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा है कि इन परीक्षाओं में और देरी हुई तो यह छात्रों के करियर से समझौता होगा। कुछ लोग अपने राजनीतिक एजेंडे के चक्कर में छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। चिट्ठी में लिखा गया है– युवा और छात्र देश का भविष्य हैं, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से उनका करियर मुश्किल में आ गया है।

समान शिक्षा प्रणाली पर न्यायालय ने केन्द्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोविड–१६ महामारी की वजह से स्कूल जाने वाले बच्चों में डिजिटल शिक्षा को लेकर भेदभाव से बचने के लिये देश में समान शिक्षा प्रणाली के लिये दायर याचिका पर बृहस्पतिवार को केन्द्र और अन्य को नोटिस जारी किये। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने गैर सरकारी संगठन गुड गवर्नेन्स चौंबर्स की जनहित याचिका पर वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के दौरान केन्द्र और राज्यों को नोटिस जारी किये। याचिका में कहा गया है कि कोविड–१६ महामारी के दौरान प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित करने के लिये उठाये गये कदम अपर्याप्त थे। याचिका में दलील दी गयी कि इन कदमों ने बच्चों के बीच असमानता पैदा कर दी और कमजोर तबके के बच्चों को अधिक जोखिम की ओर ढकेल दिया। गैर सरकारी संगठन ने छह से १४ साल की आयु वर्ग के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी तरीके से विचार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया

है। याचिका में कहा गया है कि छह से १४ साल के बच्चों के लिये शिक्षा को संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार माना गया है। याचिका में प्रवास से प्रभावित छात्रों को प्रोत्साहित करने के दिशानिर्देशों की तरह ही ऑन लाइन शिक्षा तक पहुंचने में असमर्थ बच्चों के लिये भी वैकल्पिक रणनीति तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

जीएसटी कौंसिल की बैठक बेनतीजा

नई दिल्ली। वस्तु व सेवा कर, जीएसटी कौंसिल की ४१वीं बैठक बेनतीजा रही। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी कौंसिल की बैठक में कई अहम मसलों पर चर्चा होनी थी और फैसला भी होना था। पर बड़े मसलों पर कोई फैसला नहीं हो सका। राज्यों के जीएसटी का मुआवजा देने के मामले में भी कोई फैसला नहीं हुआ। वित्त मंत्री ने जीएसटी कलेक्शन को कोरोना वायरस से जोड़ते हुए इसे दैवीय आपदा बताया और कहा कि कोरोना की वजह से वित्त वर्ष २०२१ में जीएसटी राजस्व की वसूली में २.३५ लाख करोड़ रुपए की कमी रह सकती है। बैठक से पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि कौंसिल दोपहिया वाहनों पर टैक्स में कटौती को लेकर फैसला कर सकती है। पर इस बारे में भी फैसला नहीं हुआ। बैठक के बाद वित्त मंत्री ने बताया कि दोपहिया वाहनों पर टैक्स कटौती को लेकर कोई समयसीमा तय नहीं है। अब संभावना जताई जा रही है कि कौंसिल की अगली बैठक में इस

पर विचार हो सकता है। जीएसटी कौंसिल की अगली बैठक सितंबर में होगी। गुरुवार की बैठक में राज्यों को दिए जाने वाले बकाया भुगतान पर चर्चा हुई। राज्य तत्काल भुगतान की मांग कर रहे हैं क्योंकि कई राज्यों की वित्तीय स्थिति बिगड़ रही है। इस पर वित्त मंत्री ने बताया कि राज्यों को बकाया भुगतान के दो विकल्प दिए गए। इन दोनों विकल्पों पर विचार के लिए राज्यों ने एक हफ्ते का वक्त मांगा। उन्होंने कहा कि एक उपाय यह है कि केंद्र सरकार उधार लेकर भुगतान करे और दूसरा उपाय यह है कि राज्य खुद उधार लेकर काम चलाएं। यह व्यवस्था चालू वित्त वर्ष के लिए ही रहेगी। वित्त सचिव ने उम्मीद जताई कि राज्यों को मुआवजा देने के लिए लगाए गए सेस के मद में चालू वित्त वर्ष में ६५ हजार करोड़ रुपए की वसूली हो सकती है। वित्त सचिव ने यह भी बताया कि बैठक में जीएसटी दरों में बढ़ोतरी को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में तीन लाख करोड़ रुपए के मुआवजा कलेक्शन की उम्मीद है। वित्त सचिव ने यह भी बताया कि राज्यों का जीएसटी मुआवजे के लिए अप्रैल से जुलाई अवधि का डेढ़ लाख करोड़ रुपया बकाया है।

माल्या की समीक्षा याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की दायर की गई याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। माल्या ने कोर्ट के २०१७ के फैसले के खिलाफ याचिका लगाई थी जिसमें उनको अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया गया था। माल्या ने अदालत के आदेश पर अपनी संपत्ति का पूरा लेखा–जोखा सच्चाई से नहीं बताया था, लिहाजा शीर्ष अदालत ने उसे अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया था। इसके अलावा माल्या को अदालत के आदेश का उल्लंघन कर अपने खाते से ४० मिलियन डलर की रकम निकालने का भी दोषी पाया गया। जबकि माल्या पर खातों से पैसे निकालने पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में चल रही सुनवाई से जुड़ा एक दस्तावेज फाइलों से गायब हो गया था। जिसके बाद जस्टिस यू.यू. ललित और अशोक भूषण की पीठ ने २० अगस्त तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी

थी। क्योंकि इस मामले में शामिल सभी पार्टियों ने नई प्रतियां दाखिल करने के लिए और समय मांगा था। पीठ ने कहा है कि स्पष्टीकरण को दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जाए। साथ ही कहा गया कि "उसके बाद समीक्षा की याचिका पर मेरिट के आधार पर विचार किया जाएगा"।

गुलाम नबी ने दिखाए तेवर

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को एक बार फिर तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर चिट्ठी लिखने के फैसले को सही ठहराया और चिट्ठी के लीक हो जाने का भी बचाव किया। उन्होंने कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व की ओर से राज्यों और जिलों में नियुक्त किए गए पदाधिकारियों पर निशाना साधा और कहा कि चुनाव हो जाए तो उन्हें एक फीसदी भी वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति के सभी सदस्यों का चुनाव कराने की मांग फिर दोहराई। कांग्रेस अध्यक्ष को लिखी चिट्ठी लीक होने के मामले में उन्होंने कहा कि यदि लेटर लीक हो भी गया है तो इसमें क्या बड़ी बात हो गई। यह कोई सीक्रेट नहीं है। इसमें पार्टी से कहा गया है कि संगठन को मजबूत करने के लिए चुनाव करवाए जाएं। उन्होंने यहां तक कहा कि इंदिरा गांधी के समय में भी कैबिनेट की प्रक्रियाएं

लीक हो जाया करती थीं। आजाद ने कहा– हमारा इरादा कांग्रेस को सक्रिय और मजबूत बनाने का है। उन्होंने राहुल गांधी के चुने हुए लोगों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों को केवल अप्वाइंटमेंट कार्ड मिले वे हमारे प्रस्ताव का विरोध करते दिखे। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जिस किसी की भी कांग्रेस के आंतरिक कामकाज में सच्ची रुचि है, वे प्रदेश और जिला अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का स्वागत करेंगे। हमारा मानना है कि पूरी कांग्रेस वर्किंग कमेटी का चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा– राहुल गांधी को शुरुआत में पत्र को लेकर आपत्तियां थीं। बाद में राहुल जी और सोनिया जी ने कहा कि चुनाव एक महीने में हो जाएं। मगर यह कोविड–१६ के कारण संभव नहीं। इसलिए हमने सोनिया जी से निवेदन किया कि वे बतौर अध्यक्ष छह महीने पद पर बने रहें। आजाद ने कहा कि जो लोग सीडब्लूसी की बैठक के दौरान कमेंट्री कर रहे थे, क्या यह अनुशासनहीनता नहीं है।

सोनिया कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों, ममता व उद्धव के साथ करेंगी बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ आज लंबित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर शेयर, और नीट और जेईई परीक्षा मुद्दे पर चर्चा करेंगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगी, जिसमें पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पुड्डुचेरी के मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी के साथ पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। यह बैठक कल होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक से एक दिन पहले हो रही है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार विपक्षी मुख्यमंत्रियों द्वारा कोरोना महामारी के समय में परीक्षाओं को स्थगित करने के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए एक संयुक्त प्रयास पर चर्चा करने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा कि बैठक के एजेंडे में उन राज्यों को मुआवजा देना भी शामिल है, जिन्होंने महामारी के समय में जीएसटी की वजह से राजस्व संबंधी नुकसान होने की बात कही है।

सरकार लोगों की दुर्दशा पर भी ध्यान दे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऋण स्थगन अवधि के दौरान ब्याज पर छूट के बारे में कोई रुख स्पष्ट नहीं करने पर केंद्र सरकार की खिंचाई की। कोर्ट ने अस्थायी निलंबन अवधि के दौरान ऋण पर ब्याज वसूलने वाले वित्तीय संस्थानों के खिलाफ सुनवाई के दौरान ऐसा किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र इस मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्णय की आड़ में छिपा हुआ है, विशेष रूप से तब जब उसके पास आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत पर्याप्त शक्तियां हैं, जहां वह बैंकों को आस्थगित ईएमआई पर ब्याज लेने से रोककर फैसला ले सकता है और ऋण स्थगन अवधि में ब्याज पर छूट दे सकता है। न्यायाधीशों अशोक भूषण, आर. सुभाष रेड्डी और एम. आर. शाह की पीठ ने केंद्र से कहा कि वह केवल व्यवसाय में दिलचस्पी नहीं ले सकती और लोगों की तकलीफों को अनदेखा नहीं कर सकती है। याचिकाकर्ता के वकील ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि ऋण स्थगन ३१ अगस्त को समाप्त हो रहा है, और

१ सितंबर को, उनका ग्राहक डिफॉल्ट में होगा। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ६ अगस्त को फैसला लिया गया कि इस मुद्दे पर विभिन्न क्षेत्रों के अनुसार निर्णय किया जाना है। न्यायाधीश भूषण ने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र को अपना रुख स्पष्ट करना होगा। सलिसिटर जनरल ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि केंद्र आरबीआई के साथ मिलकर ऐसे लोगों की मुश्किल दूर करने में लगा है, जिन्होंने कर्ज लिया है। न्यायाधीश भूषण ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियां देशव्यापी लॉकडाउन की देन हैं। न्यायाधीश शाह ने कहा कि यह केवल व्यवसाय के बारे में सोचने का समय नहीं है। पीठ ने कहा कि केंद्र को हलफनामे पर अपना पक्ष रखना होगा। शीर्ष अदालत ने मेहता को एक सप्ताह का समय दिया कि वह केंद्र के रुख को स्पष्ट करते हुए एक हलफनामा दायर करें और मामले की आगे की सुनवाई के लिए १ सितंबर का दिन निर्धारित किया। कोर्ट ने गजेंद्र शर्मा और अन्य की याचिकाओं के संदर्भ यह सुनवाई की।

सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप, सुशांत को जहर दिया गया

मुंबई। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने आरोप लगाया है कि बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को उनकी मौत से पहले जहर दिया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जानबूझकर उनके शव परीक्षण में देरी की गई ताकि जहर पेट में पाचक द्रव्यों के जरिए डिजॉल्व हो जाए। स्वामी ने मंगलवार सुबह ट्वीट कर कहा, "अब हत्यारों की शैतानी मानसिकता और उनकी पहुंच धीरे-धीरे सामने आ रही है। ऑटोप्सी में जानबूझकर देरी की गई ताकि एसएसआर के पेट में जहर पाचन तरल पदार्थ द्वारा विघटित हो जाए और उसकी पहचान न की जा सके। सोमवार को सोशल मीडिया यूजर्स ने मांग की कि इस मामले की जांच कर रही सीबीआई को सुशांत की ऑटोप्सी करने वाले कूपर अस्पताल के डॉक्टरों से पूछताछ करनी चाहिए। सोमवार शाम को स्वामी ने ट्वीट किया कि सुशांत की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती को पूछताछ के लिए हिरासत में भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि रिया द्वारा दिए गए सबूतों और महेश भट्ट के साथ उनकी बातचीत में

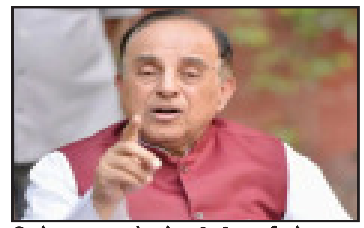

विरोधाभास है तो सीबीआई के पास उसे गिरफ्तार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। बता दें कि हाल ही में रिया और महेश भट्ट के बीच हुई व्हाट्सएप बातचीत के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिसमें नेटीजेंस ने आरोप लगाया गया है कि रिया के "शुगर डैडी" महेश भट्ट ने उसे सुशांत से ब्रेकअप करने के लिए उकसाया।

02 हिस्ट्रीशीटर अपराधी सहित 13 शातिर गिरफ्तार, कब्जे से नाजायज13 अदद तमंचा मय जिंदा कारतूस बरामद

मो० अरशद

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ श्री मनोज कुमार सोनकर के निर्देशन में अपराधध्अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के विभिन्न थानो द्वारा दिनांक २५ध्२६.०८.२० को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान ०२ हिस्ट्रीशीटर अपराधी सहित कुल १३ शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से नाजायज १३ तमंचा मय जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस क्रम में-थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा हाफिजपुर के पास से हिस्ट्रीशीटर (७२ए) अपराधी गुलाम रसूद पुत्र अनीश निवासी युसुफाबाद थाना चिरैयाकोट मऊ के कब्जे से एक तमंचा ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना मधुबन पुलिस द्वारा कबिराजपुर के पास से हिस्ट्रीशीटर (२०ए) अभियुक्त तसलीम पुत्र नसीरुद्दीन निवासी फतेहपुर मण्डाव थाना मधुबन के कब्जे से एक तमंचा ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा माहपुर के पास विपुल पुत्र दयानन्द निवासी सियरही थाना दोहरीघाट के कब्जे से एक अदद तमंचा व एक जिदा कारतूस १२ बोर तथा भावनपुर के पास से धीरू राजभर पुत्र जहिन्दर निवासी भावनपुर थाना घोसी के कब्जे से एक तमंचा मय एक अदद कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना रानीपुर पुलिस द्वारा दशवारी के पास से गणेश पुत्र बनवारी निवासी घूटमा थाना रानीपुर मऊ के कब्जे से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा पहसा तिराहा के पास से गोलू यादव पुत्र अमरनाथ यादव निवासी छतरपुर थाना हलधरपुर मऊ के कब्जे से एक तमंचा मय एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर तथा चोरी की एक मोबाईल बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना कोपागंज पुलिस द्वारा भीखमा तिराहे के पास से राजनाथ पुत्र रामपति निवासी सरवा थाना कोपागंज के कब्जे से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना दक्षिणटोला पुलिस द्वारा चण्डीसागर मार्ग प्यारेपुरा के पास से जुम्मन पुत्र मो० इलियास निवासी मलिक टोला थाना कोतवाली के कब्जे से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर तथा मतलूपुर मोड़ से इरसाद अहमद पुत्र फैयाज अहमद निवासी डोमनपुरा थाना दक्षिणटोला मऊ के कब्जे से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा सलाहाबाद रेलवे क्रासिंग नवापुरा के पास से मो० इरफान पुत्र जियाउद्दीन निवासी डोमनपुरा थाना कोतवाली के कब्जे से एक तमंचा ३१५ बोर मय ०२ अदद जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना घोसी पुलिस द्वारा थानीदास रेलेवे क्रासिंग के पास से अशोक पुत्र रामबली निवासी पिउसुई अहिलासपुर थाना घोसी के कब्जे से एक तमंचा मय एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना सरायलखांसी पुलिस द्वारा रैकवारेडीह के पास से योगेन्द्र राम पुत्र नरायण राम निवासी रैकवरेडीह थाना सरायलखंसी के कब्जे से एक तमंचा मय एक जिंदा कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा अतरारी चुंगी पुलिया के पास से शालू पुत्र मुन्ना कुरैसी निवासी सैदपुर थाना मुहम्मदाबाद मऊ के कब्जे से एक तमंचा मय एक अदद जिंदा कारतूस ३१५ बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध सम्बन्धित थानों पर आयुद्ध अधिनियम का अभियोग पंजीत कर चालान न्यायालय किया गया।

कोविड-१९ संक्रमण के दृष्टिगत जनपद मऊ पुलिस की कार्यवाही

मो० अरशद, मऊ। कारोना महामारी के दृष्टिगत जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन हेतु चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान दिनांक २५.०८.२० को सुबह ८ बजे से दिनांक २६.०८.२० को सुबह ८ बजे तक जनपद के समस्त ३५७ बैरियर प्वाइंट (३०२ हाटस्पाट एरिया) पर चेकिंग के दौरान २७ व्यक्तियों के विरुद्ध ०७ अभियोग पंजीकृत कर २१ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा १५७५ वाहनों को चेक किया गया जिसमें ८८ वाहनों का चालान तथा २१ हजार ६०० रुपये शमन शुल्क वसूले गये। साथ ही साथ मास्क न लगाने पर किये गये १५२ चालान व वसूले गये १० हजार ६०० रुपये जुर्माना तथा लाकडाउन का उलंघन करने पर ६५ चालान व वसूले गये १२ हजार २०० जुर्माना सहित कुल ४४ हजार ४०० रुपये जुर्माना वसूला गया। जनपद में भीड़-भाड़ वाले जगहों, बैंको, बाजारों व महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास सोशल डिस्टेंशिंग का अनुपालन कराया जा रहा है।

१५६ लीटर अवैध देशी कच्ची शराब बरामद, १७ व्यक्ति गिरफ्तार

मो० अरशद

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ श्री मनोज कुमार सोनकर के निर्देशन में अपराध/अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक २५.०८.२० को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा बेलौली के पास से देवनरायण साहनी पुत्र जगरनाथ साहनी निवासी बेलौली थाना दोहरीघाट के कब्जे से १० लीटर, थाना मधुबन पुलिस द्वारा कटधरा शंकर के पास से ममता देवी पत्नी मल्क राजभर निवासी कटधर शंकर थाना मधुबन के कब्जे से १५ लीटर, थाना कोपागंज पुलिस द्वारा निजामुद्दीनपुर के पास से नेसार साह पुत्र निजामुद्दीन शाह निवासी नयी बस्ती पारा थाना कोपागंज के कब्जे से २० लीटर, थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा कमरवा के पास से पैगाम पुत्र हदीश निवासी छपरा के कब्जे से १० लीटर, सुल्तानीपुर के पास से नौसाद पुत्र गफ्फार निवासी जमीन बुढ़ान थाना चिरैयाकोट के कब्जे से १० लीटर, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा ढेकुलिया घाट के पास से रमेश साहनी पुत्र स्व० छेकौड़ी निवासी मलिक ताहिरपुर के कब्जे से १० लीटर, रेलवे डाक मंदिर के पास से तन्नू डोम पुत्र स्व० बाबुलाल डोम निवासी हिन्दी भवन थाना कोतवाली के कब्जे से १० लीटर, थाना घोसी पुलिस द्वारा भैरापुर के पास से नेहरूलाल राजभर पुत्र जगमोहन निवासी विसूनपुर थाना घोसी के कब्जे से १० लीटर, थाना सरायलखंसी पुलिस द्वारा पिपरीडीह के पास से नन्हक पुत्र स्व० नारायण निवासी बबुआपुर थाना सरायलखंसी के कब्जे से २० लीटर, थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा रामघाट मंदिर के पास से विन्धाचल पुत्र रामेश्वर सोनकर निवासी बरईपार के कब्जे से १० लीटर, ढाढाचवर के पास से जगधारी राजभर पुत्र स्व० बालचन्द्र राजभर, राजसिंहासन पुत्र स्व० भुटली निवासीगण ढाढाचवर दोनों के कब्जे से ३-३ लीटर, भरपुरा के पास से रामविलास पुत्र स्व० जमुना, भोला यादव पुत्र स्व० बुद्धा यादव निवासीगण डगौली दोनों के कब्जे से ०५-०५ लीटर, कटकटी मोड के पास से चन्द्रीका यादव पुत्र दीपचन्द्र यादव, प्रकाश, जितेन्द्र पुत्रगण भगेलू निवासीगण सूरहुरपुर सभी के कब्जे से ५-५-५ लीटर अवैध देशी कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध थाना सम्बन्घित पर आबाकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

सिंधिया पर गहरा होता भाजपा का रंग

भोपाल। कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर अब भाजपा का रंग धीरे–धीरे गहराने लगा है। एक तरफ जहां उनकी पार्टी में पैठ बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दी हैं। सिंधिया ने लगभग पांच माह पहले कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली थी, इतना ही नहीं सिंधिया के साथ २२ तत्कालीन विधायकों ने कांग्रेस छोड़ी तो कमलनाथ सरकार गिर गई। सिंधिया भाजपा की ओर से राज्यसभा में निर्वाचित भी हो चुके हैं और उनकी पार्टी के भीतर सक्रियता भी बढ़ रही है। ग्वालियर में भाजपा के तीन दिवसीय सदस्यता अभियान में सिंधिया ने अपनी ताकत का भी प्रदर्शन किया और ग्वालियर–चंबल अंचल के ७६ हजार से अधिक कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता भी दिलाई। सिंधिया पर कांग्रेस की ओर से किए जाने वाले किसी भी हमले के बचाव में पूरी भाजपा उनके साथ खड़ी नजर आने लगी है। यही कारण है कि कांग्रेस सिंधिया और उनके साथ पार्टी छोड़ कर गए लोगों को गद्दार कह रही है, तो भाजपा उनके

बचाव में खड़ी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंधिया का बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस में सच बोलने वालों की कोई कीमत नहीं है, वहां तो तलवे चाटने वालों को वफादार कहा जाता है। एक तरफ जहां भाजपा का संगठन और राज्य सरकार सिंधिया के साथ है, वहीं सिंधिया ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी नजदीकी बढ़ाना शुरू कर दी है। इसी क्रम में सिंधिया बीते रोज नागपुर पहुंचे और उन्होंने सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत से मुलाकात की। इस मुलाकात को आगामी समय के सियासी रणनीतिक तौर पर भाजपा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संघ के पदाधिकारी का कहना है कि सिंधिया परिवार से संघ का पुराना नाता है, ज्योतिरादित्य सिंधिया उसी परिवार से है। सिंधिया भले ही कांग्रेस में रहे हों मगर उन्होंने संघ के मुद्दों का खुलकर समर्थन किया है। इसलिए सिंधिया का संघ कार्यालय जाना और संघ प्रमुख से मिलना कोई बड़ी बात नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार शिव अनुराग पटैरिया का कहना है कि सिंधिया का संघ कार्यालय जाना और संघ प्रमुख से मिलना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। संघ भाजपा का विचार प्रमुख है। वहीं उसका एक सिरा महाराष्ट्र से जुड़ा है, सिंधिया भी मराठा राज परिवार से नाता रखते हैं। वहीं सिंधिया की यह मुलाकात सियासी रणनीति का एक बड़ा हिस्सा भी है।

पारिवारिक कलह के चलते डॉक्टर ने की आत्महत्या

अयोध्या। नगर कोतवाली क्षेत्र में एनेस्थीसिया के एक डॉक्टर ने खुद ही अधिक डोज ले ली। ओवरडोज के चलते डॉक्टर की मौत हो गई। जिला अस्पताल पहुंचाया गया तो इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। चर्चा है कि पारिवारिक कलह के चलते चिकित्सक ने आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस ने मौत की वजह जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। बताया गया कि ३८ वर्षीय डॉक्टर संतोष तिवारी पुत्र हनुमान प्रसाद मूलरूप से पड़ोसी जनपद अंबेडकर नगर के अहिरौली थाना क्षेत्र स्थित गांव मोहम्मदपुर धामा पट्टी के निवासी थे। वह वर्ष २०१७ में जनपद के जिला अस्पताल में बेहोशक अर्थात एनेस्थीसिया चिकित्सक के रूप में तैनात होकर आए थे। हालांकि जिला अस्पताल के ही एक कर्मचारी से विवाद के बाद उन्होंने कुछ माह की नौकरी के बाद ही इस्तीफा दे दिया था। डॉ संतोष तिवारी का विवाह जनपद के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित चांदपुर गांव में हुआ था। वह नगर कोतवाली के रामनगर खोजनपुर इलाके स्थित इन्द्रपुरम कालोनी में निवास कर रहे थे। इधर काफी दिनों से परिवार में अनबन चल रही थी। इसी पारिवारिक कलह के चलते उनकी दो दिन पूर्व ससुराल पक्ष के लोंगों के साथ मारपीट भी हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक कलह के चलते ही उन्होंने मरीज को बेहोश करने

के लिए दी जाने वाले इजेक्शन का ओवरडोज ले लिया। मामले की जानकारी पर उनको ११ बजकर २० मिनट पर उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया तो ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उनको मृत घोषित कर दिया। नगर कोतवाल नितिश श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जानकारी पर मौत की वजह जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह की बात सामने आई है पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सोनाक्षी सिन्हा को अदालत में हाजिर न होने पर समन जारी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा समेत पांच व्यक्तियों के विरुद्ध धोखाधड़ी और अमानत में खयानत के आरोप में गुरुवार को न्यायालय में उपस्थित न होने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने समन जारी करने के आदेश दिए हैं। इस मामले की

सुनवाई के लिए अगली तिथि ११ सितंबर नियत की है। वादी पक्ष के वकील आशुतोष त्यागी तथा नीरज सोती ने गुरुवार को बताया कि बालीवुड फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा निवासी ४६, रामायण, ६वां मार्ग जेवीपीडी योजना, जुहू नबी, मुबई(महाराष्ट्र) का यह मामला मुरादाबाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुमारी अलका चौधरी की अदालत में चल रहा है। गुरुवार को तीसरी तिथि थी। सोनाक्षी समेत पांचों आरोपियों में आज कोई न्यायालय में पेश नहीं हुआ। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ताओं ने बताया कि बिहार के कटिहार का रहने वाला शुभम नाम का युवक सोनाक्षी सिन्हा से मिलकर पीड़ित वादी पक्ष को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहा है। आरोपित सभी बड़े लोग हैं, अदालत में आना ही नहीं चाहते हैं। सभी के खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया गया था। सीजेएम ने सभी आरोपियों के सम्मन जारी करने के आदेश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि महानगर की शिवपुरी कालोनी निवासी इवेंट मैनेजर प्रमोद शर्मा ने ३० सितंबर २०१८ को इंडिया फैशन एंड ब्यूटी अवार्ड का कार्यक्रम श्री फोर्ट अडिटेरियम, दिल्ली में रखा था। उन्होंने इसमें शामिल होने के लिए टेलेंट फुलअन और एक्सीड एंटरटेनमेंट कंपनी के माध्यम से दबंग गर्ल के नाम से मशहूर फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा से कार्यक्रम में परफार्मेंस के लिए करार हुआ था। इसके लिए सोनाक्षी ने प्रमोशनल वीडियो भी जारी किया था। सोनाक्षी सिन्हा ने कार्यक्रम में आने के लिए अलग–अलग किश्त में २६.६२ लाख रुपये का भुगतान लिया। टेलेंट फुलअन के अभिषेक सिन्हा को छह लाख ४८ हजार रुपये दिए गए थे। आरोप है कि तय तारीख को सुबह फोन कर सोनाक्षी सिन्हा के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्लेन का दूसरा टिकट कराया गया। सोनाक्षी सिन्हा को शाम चार बजे कार्यक्रम में आकर ब्यूटी पॉर्लर संचालकों को १२० अवार्ड दिए जाने थे जबकि कार्यक्रम में कुल ६०० ब्यूटी पॉलर संचालकों को बुलाया गया था। आरोप है कि रुपये लेने के बाद भी सोनाक्षी कार्यक्रम में नहीं आयी थीं। प्रमोद शर्मा की तहरीर पर तत्कालीन एसएसपी जे रविंद्र गौड के आदेश पर कटघर थाने में सोनाक्षी सिन्हा और टेलेंट फुलऑन व एक्सीड एंटरटेनमेंट कंपनी के पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

सरेआम युवक की गोली मारकर हत्या

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। गुरुवार की सुबह हिदायत नगर निवासी अनीश का २५ वर्षीय पुत्र राजा किसी काम से वनवारीपुर अपनी अल्टो कार से जा रहा था तभी अज्ञात हमलावरों ने बनवारीपुर चौराहे पर उसे गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थिएटर एंड फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन ने आयोजित की 'कोरोना काल में रंगकर्मी' विषयक संगोष्ठी

राकेश पाण्डेय ''निश्छल''

लखनऊ। थिएटर एंड फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन ने संस्था के डालीबाग सभागार में संगोष्ठी ष्कोरोना काल में रंगकर्मीष् का आयोजन मंगलवार २५ अगस्त को किया। इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि देश की उन्नत संस्कृति को देश–विदेश में प्रसारित करने और जन–जागृति की दिशा में रंगकर्म अहम भूमिका अदा करता है पर कोरोना काल में मार्च से "रंगकर्म को ही क्वारंटाइन" कर दिया गया है। प्रदेश सरकार की अनीति के कारण प्रदेश भर के रंगकर्म पोषित कलाकार उपेक्षित हैं। थिएटर एंड फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.विपिन अग्निहोत्री ने बताया की प्रदेश में अनलॉक के काल में प्रवासी मजदूरों तक को रोजगार से जोड़ा गया पर प्रदेश के मूल रंगकर्मियों के प्रति ही सरकार उपेक्षित हो गई है। रंगकर्म जिसे पंचमवेद तक कहा गया है पर रंगकर्म के कलाकारों को सरकारी संरक्षण नहीं दिया जा सका है। प्रदेश सरकार की अनीति के कारण ही अडिटोरियम भी बंद पड़े हैं। एक ओर जिम–व्यायामशालाएं तक खोल दिये गए है पर मानसिक व्यायाम के केन्द्र ऑडिटोरियम के प्रति सरकार आंखें मूंद कर पड़ी है। सरकारी विभागों में पचास प्रतिशत तक कर्मचारी दैनिक कार्य कर रहे हैं वहीं विवाह समारोहों में भी पचास लोगों को शामिल होने की इजाजत दी जा रही है। ऐसे में बेहतर हो कि अडिटोरियम में भी दो गज

की दूरी का पालन करवाते हुए रंगकर्म अनुष्ठान को प्रदेश सरकार संरक्षण दे। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के उत्तर प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष करन कुमार ने कहा कि रंगकर्म का कलाकार स्वभाव से स्वाभिमानी होता है इसलिए वह अपनी आवश्यकताओं को जगजाहिर नहीं कर पा रहा है। इसलिए बीते चार महीनों में वह परिवार से ही नहीं मन से भी टूट गया है। ऐसे में वह स्वयं आगे आए हैं और उन्होंने ११ हजार रुपए की आर्थिक मदद तक की है। करन कुमार ने कहा कि यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने आम जन का भी आवाह्न किया कि यथा संभव वह कलाकारों की मदद करें। जरूरतमंद कलाकारों के बच्चों का स्कूल आदि का खर्च स्वेच्छा से वहन करें। कास्टिंग मैनेजर कैफी अली ने कहा कि जब पार्क खुल सकते हैं तो दो गज की दूरी पर मुक्ताकाशी मंचों पर रंगकर्म आदि सांस्कृतिक कार्य क्यों नहीं करवाये जा सकते हैं। थिएटर एंड फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव दबीर सिद्दीकी ने कहा कि अगर कलाकारों के प्रति जल्द ही कोई नीति प्रदेश सरकार नहीं घोषित करती है तो एसोसिएशन को मजबूरन संगठित हो बड़ा आन्दोलन करना होगा।

टैरिफ संरचना के स्लैब परिवर्तन के प्रस्ताव का उपभोक्ता परिषद ने जताया विरोध

लखनऊ। पावर कारपोरेशन द्वारा ऊर्जा विभाग से अनुमोदन लेकर टैरिफ संरचना के स्लैब परिवर्तन करने के प्रस्ताव पर गुरुवार को उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने विरोध जताया है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग में एक विधिक प्रस्ताव देकर पूरी प्रक्रिया का विरोध किया। इस दौरान अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि टैरिफ संरचना में कोई भी बदलाव जो भार घटक व वोल्टेज घटक के आधार पर पावर कारपोरेशन ने विद्युत नियामक आयोग में प्रस्तावित किया है। वह विद्युत अधिनियम २००३ की धारा ६२ (३) का खुला उलंघन है। कारण है कि भार घटक व वोल्टेज घटक के अनुसार संरचना में बदलाव का अधिकार केवल विद्युत नियामक आयोग को है लेकिन पावर कारपोरेशन ने ऊर्जा विभाग से जो अनुमोदन लिया है। उसमें टैरिफ स्लैब के वाणिज्यक उपभोक्ताओं के मामले में वर्गीकरण चार किलोवाट व उससे ऊपर का स्लैब बनाया गया है। इसी तरह से लघु एवं मध्यम उद्योग के मामले

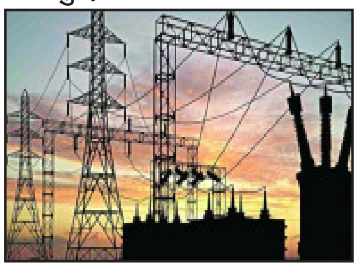

में २० किलोवाट व उससे ऊपर का स्लैब बनाया गया है। इसी प्रकार उद्योग रहित बल्क लोड के मामले में ऊर्जा खपत के अनुसार स्लैब खत्म कर वोल्टेज के अुनसार प्रस्तावित किया गया है जो अधिनियम की धारा ६२ (३) का उलंघन है। अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि सबसे बड़ा चौंकाने वाला मामला यह है कि वर्ष २०१६ में विद्युत नियामक आयोग द्वारा टैरिफ के सरलीकरण के लिये एक कमेटी बनायी गयी थी जिसमें उपभोक्ता परिषद सहित बिजली कम्पनियों के व अन्य औद्योगिक संगठनों के सदस्य नामित किये गये थे। जिसकी कई बैठकों में टैरिफ सरलीकरण के लिये स्लैब पर भी चर्चा हुयी। उस समय पावर कारपोरेशन की उदासीनता के चलते टैरिफ सरलीकरण नहीं हो पाया और आज पावर कारपोरेशन मनमाने तरीके से अनिधिनियम के खिलाफ टैरिफ संरचना परिवर्तित करने का प्रस्ताव आयोग को दे रहा है। जो अपने आप में प्रदेश की जनता के साथ बड़ा धोखा है। प्रदेश के उपभोक्ताओं की राय लेने के बाद उपभोक्ता परिषद ने आयोग में जनता टैरिफ फाइल करते हुये दरों में १६ प्रतिशत कमी का प्रस्ताव जबसे दिया है तबसे बिजली कम्पनियां चोर दरवाजे से आम जनता पर भार डालने का हर उपाय ढूंढ रही हैं।

अनुष्का, विराट के घर जनवरी में आएगा नया मेहमान

मुंबई। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और उनके पति व भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली अपने

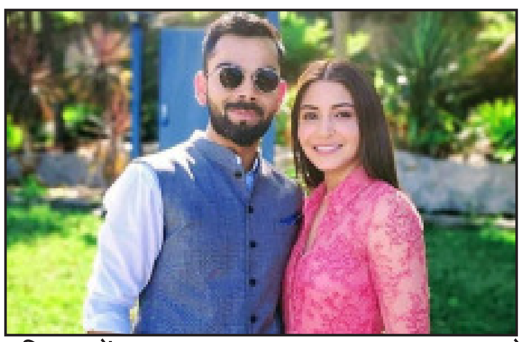

परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। इस सेलेब्रिटी जोड़े ने आज अपने फैंस को यह खुशखबरी दी कि इनके घर अगले साल जनवरी में एक नन्हा मेहमान आने वाला है। दोनों ने अपने–अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर के साथ इस खबर का ऐलान किया है जिसमें अनुष्का बेबी बंप के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीर में अनुष्का को पोल्का डॉट वाले एक ब्लैक ड्रेस में देखा जा सकता है जबकि विराट ग्रे टी–शर्ट और सफेद पैंट में नजर आ रहे हैं। अपने पोस्ट के कैप्शन में ये लिखते हैं, और फिर हम तीन होंगे! जनवरी, २०२१ में आने वाला है। दोनों ने साल २०१७ के दिसंबर में इटली में जाकर शादी की थी।

नए हालातों के बीच शूटिंग करना मुश्किल : उर्वशी रौतेला

मुंबई। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपनी पहली तेलुगू फिल्म 'ब्लैक रोज' की शूटिंग के लिए शहर में हैं और उनका कहना है कि नए हालात के बीच

शूटिंग करना मुश्किल है, लेकिन काम जरूर जारी रहना चाहिए। उर्वशी ने संपत नंदी निर्देशित फिल्म की शूटिंग के बारे में कहा, "कोविड महामारी के बीच हम सभी एहतियाती उपायों का पालन कर रहे हैं। यह 'लाइट्स, कैमरा, मास्क लगाना और एक्शन है।" फिल्म जो हिंदी में भी रिलीज होगी। उन्होंने कहा कि उनका किरदार विलियम शेक्सपीयर के नाटक 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' शायलक की तरह है और 'ब्लैक रोज' कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के दृष्टिकोण से संबंधित है। फिल्म में वह 'लोटस कैपिटल्स' कंपनी की मालकिन है। कोविड प्रतिबंधों के बावजूद, उर्वशी का कहना है कि सेट पर वापस आकर उन्हें अच्छा लग रहा है।

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर करेंगी बाम्लीवुड में डेब्यू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है। संजय कपूर ने बताया कि उनकी बेटी शनाया के डेब्यू में देरी कोरोना महामारी के कारण हो रही है। लेकिन वह बहुत जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। शनाया सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव

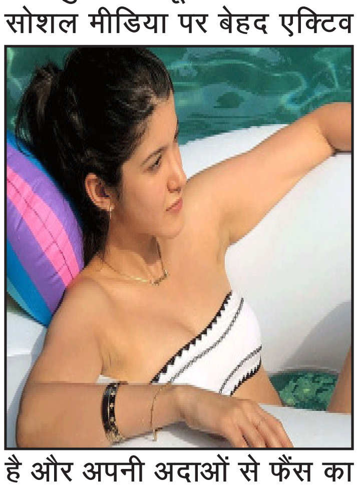

है और अपनी अदाओं से फैंस का दिल जीत लेती है। फैन्स उन्हें फिल्मों में देखने के लिए बेकरार है। शनाया ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया है। इस पर संजय कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मुझे खुशी है कि शनाया ने फिल्मों की खूबसूरत दुनिया में अपने सफर की शुरूआत एक असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में शरण शर्मा आपके साथ की। आप एक बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक और एक सुपर इंसान भी हैं।

कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह कोरोना संक्रमित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह कोविड–१६ संक्रमण की चपेट में आ गये है। गुरूवार को ट्वीट कर उन्होंने खुद इस बात की जानकारी दी। एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन और खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्रालय का कामकाज देख रहे सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा "कोरोना के शुरूआती लक्षण

दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है और डॉक्टर्स की सलाह से मैंने खुद को होम आइसोलेट कर लिया है। मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया स्वयं अपनी जाँच करवा लें।" गौरतलब है कि सिद्धार्थनाथ सिंह योगी सरकार के १२वें मंत्री हैं जो कोरोना की चपेट में आये हैं। इससे पहले पंचायती राज मंत्री भूपेन्द्र सिंह, एमएसएमई राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, ग्राम्य विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, विधि एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री महेंद्र ,सिंह, आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धरम सिंह सैनी, खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी और श्रम निर्माण एवं परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष ठाकुर रघुराज सिंह के अलावा होमगार्ड मंत्री चेतन चौहान और प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमलरानी वरूण कोरोना की गिरफ्त में आ चुके है जिसमें सिद्धार्थनाथ चौहान की १६ अगस्त और कमलरानी वरूण की संक्रमण के चलते दो अगस्त को मृत्यु हो गयी थी। कोरोना की गिरफ्त में आने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह,समाजवादी पार्टी नेता रामगोविंद चौधरी और सपा के विधान परिषद सदस्य सुनील कुमार साजन भी शामिल है हालांकि यह अब संक्रमण से उबर कर काम पर लौट आये हैं।

मोहर्रम को लेकर कश्मीरी मोहल्ला छावनी में तब्दील

लखनऊ। राजधानी में मोहर्रम के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गुरुवार को पुराने लखनऊ में पुलिस मुस्तैद कर दी गई। यहां का कश्मीरी मोहल्ला छावनी में तबदील कर दिया गया। पूरे क्षेत्र में मकान की छतों की ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है। शरगा पार्क के पास भारी पुलिस फोर्स के साथ इंस्पेक्टर सआदतगंज ने मौजूद लोगों को कोरोना गाइडलाइन का पालन करने के लिए जागरूक किया। गौरतलब है कि सरकार ने कोविड–१६ के कारण इस बार मोहर्रम के जुलूसों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक